

क्षणे पात्रे न मीमांसते KATH. 27, 2. विवाहे मीमांस्यमानाः Âçv. Ça. 11, 2. मीमांसित *derjenige, gegen welchen man Bedenken hat*: न द्विषतो ऽत्र ममीयात्र मीमांसितस्य न मीमांसमानस्य *eines Zweifelhafteu und eines Unentschiedenen* AV. 9, 6, 24. — Vgl. मीमांसा, मीमांस्य.

— desid. vom desid. मीमांसिषते P. 3, 1, 7, V Artt. 3, Sch. 1, 3, 62, Sch.

— अति 1) *geringschätzen, verschmähen*: नहि त्वा पूषन्नतिमन्यं आघृणे न ते सख्यमपक्नुवे RV. 1, 138, 4. किं नो धातरगस्त्य सखा सन्नतिं मन्यसे 170, 3. 6, 52, 2. 10, 91, 2. यज्ञम् TS. 6, 3, 4, 8. AIT. Br. 4, 28. न त्वं न च तुर्ध्वमतिमन्येत निविहानम् *man halte nicht für zu klein* 3, 11. वरुणं पितरं विद्यातिमने *hält V. für geringer an Wissen als sich* ÇAT. Br. 11, 6, 4, 1. — 2) *sich überheben* ÇAT. Br. 5, 1, 4, 1. — caus. अतिमानित *in hohem Grade geehrt* MÂRK. P. 66, 20.

— अघि *hochhalten, hochachten*: कृत्वाङ्गिसेवामधिमन्यमानः Bhaç. P. 1, 19, 5. अप्सरसम् 5, 2, 21. नैवात्मलाभादधिमन्यते परम् 18, 20.

— अनु 1) *zustimmen, einwilligen, billigen; günstig gestimmt sein, begünstigen, favere*: विश्वे देवा अन्वमन्यत कृद्धिः RV. 1, 116, 17. 6, 72, 3. तं नो देवा अनु मंसीरतु कर्तुम् 10, 37, 5. AV. 8, 2, 21. सीता विश्वे देवेनुमता VS. 20, 70. 34, 8. 38, 13. TS. 3, 1, 4, 1. PÂÑAY. Br. 21, 10, 18. अनुमते ऽभिमते वा Âçv. GRH. 4, 7, 28. यदि कन्यानुमन्यते *wenn sie einwilligt* M. 9, 97. MBH. 2, 1714. 13, 3609. एवमेवानुमंस्तेरन् 14, 800. HARIV. 6985. राजाङ्गुल्यानुमन्यते MÂLAV. 69, 22. अनुमन्य KATHAS. 30, 78. अनुमन्य स तस्याश्च स्वयंवरकृते *in Betreff* Som. NALA 21. DAÇAK. in BENF. Chr. 191, 11. यथा वाप्यनुमन्यसे *wie du beliebst* R. 6, 93, 53. तद्वाननुमन्यताम् Jâgñ. 3, 334. Suçr. 1, 16, 15. MBH. 1, 5583. 5743. R. 2, 2, 13. तस्य साधनुमन्यत — भर्तस्य वचः श्रुत्वा 103, 11. R. Gorr. 2, 99, 22. 5, 18, 35. तत्र नाकुमनुमनुमत्सहे मोघवृत्ति कलभस्य चेष्टितम् RAGH. 11, 39. Spr. 1934. KATHAS. 44, 85. 45, 858. 46, 206. 49, 77. 235. तदनुमन्महि Bhaç. P. 3, 16, 25. तत्तथेत्यन्वमंसत 8, 9, 13. MÂRK. P. 23, 114. die Ergänzung im infin.: नानुमेने मन्वाकुस्तो नेतुं विजने वनम् R. 2, 29, 21. Rîçâ-Tar. 2, 116. द्वारे निपुक्तपुरुषानुमतप्रवेशः *erlaubt, gestattet* MÂLAV. 11, 7. अनुसूययापि मदीयस्तर्का ऽनुमतः *gebilligt* ÇÂK. 34, 7, v. 1. कस्यानुमते *Einwilligung, Erlaubnis* Vikr. 58. MBH. 3, 279. HARIV. 6578. अनुमतप्रद Rîçâ-Tar. 5, 429. अविचारानुमतेन तेन DAÇAK. in BENF. Chr. 188, 13. पश्येद ऽनुमतं व्रतम् *anerkannt, genehmigt* Jâgñ. 3, 301. *guthelassen* so v. a. *sich hingeben einer Sache, befolgen*: धर्मार्थवभिसंत्यज्य सर्मभे यो ऽनुमन्यते MBH. 3, 4288. विधिमिममनुमन्य VARÂH. BRH. S. 43, 68. अनुमतमुनिशासन DAÇAK. in BENF. Chr. 184, 8. वृष्टिं च कर्षकजनानुमतं करोति *gern gesehen, erwünscht* VARÂH. BRH. S. 5, 72. *anerkennen, ratum ducere; Jmd (dat.) Etwas (acc.) gewähren*: तुभ्यं कृ ता अनु तत्र मंहुना मन्यत द्यौः RV. 4, 17, 1. 5, 46, 4. 6, 32, 1. अनु तत्रो ज्ञापतिर्मसीष्ट रत्नं देवस्य सवितुरिषानः 7, 38, 6. मन्यतामनु (मे) तपस्तपस्पतिः VS. 5, 6. अनु नो ऽद्यानुमतिर्यज्ञं देवेषु मन्यताम् 34, 9. *zugeben* 23, 31. TBR. 1, 7, 2, 1. 3, 7, 2, 10, 9, 6. अर्देतिरियमेवास्मै राज्यमनुमन्यते TS. 2, 3, 4, 2. ÇAT. Br. 1, 9, 4, 19. सो ऽस्मै प्रोतो ऽनुमन्यते 4, 3, 4, 11. 5, 3, 3, 31. *nachgeben*: श्रुतावा चिदनु नौ मंसते RV. 8, 51, 11. को नाम तवानुमंस्यते । अलक्तकाङ्गानि पदानि पादयोर्विकीर्णकेशाम् परेतभूमिषु *zugeben, gestatten* KUMÂRAS. 5, 68. निष्कृतिं च न तस्यापि अनुमन्यसि कर्हिचित् (so die ed. Bomb.) MBH. 13, 6036. स्ववर्षं कर्मक्षेत्रमनुमन्यमानः *so v. a. als das wahre Gebiet für Werke an-*

V. Theil.

erkennend Bhaç. P. 5, 4, 8. कैलाशनाथोदरुनाय भूयः पुष्यं दिवः पुष्पकमन्वमंसत *gewährte* RAGH. 14, 20. Bhaç. P. 7, 8, 43. तस्मै कन्या दादशेमा दत्तस्ता अन्वमन्यत *so v. a. gab* HARIV. 11523. — 2) *Jmd Erlaubnis geben, gestatten; mit acc. der Person: अन्वेने माता मन्यताम्* AIT. Br. 2, 6. VS. 6, 9. इन्द्रो वृत्राय वज्रमुदयच्छतं द्यावापृथिवी नान्वमन्यताम् *das erlaubten ihm Himmel und Erde nicht* TBR. 2, 7, 2, 2. MBH. 1, 3202. 4890. Rîçâ-Tar. 6, 195. KATHAS. 17, 139. 32, 196. सा मानुमन्यस्व वनं व्रजसम् R. 2, 21, 61. अनुमन्यस्व मो देवि गमिष्यस्यमिता वनम् 45. राजन्यान्स्वपुरनिवृत्तये ऽनुमेने RAGH. 4, 87. अनुमेने वनाय तम् MÂRK. P. 76, 38. अनुमत *die Erlaubnis habend* ÇÂÑKH. Çr. 16, 10, 15. RAGH. 7, 64. 9, 49. KATHAS. 43, 233. *Jmd zulassen, anerkennen* KUMÂRAS. 1, 60. कलिङ्गसेनामपि यत्सपत्नीमनुमन्यते KATHAS. 33, 14. उभयानुमतः सात्ता Jâgñ. 2, 72. कृताभिमर्शमनुमन्यमानः सुताम् *so v. a. nachsehen, verzeihen* ÇÂK. 116. — 3) *mit n zurückstossen, Nichts wissen wollen von*: इमो स्वसारं च पवीयसी मे कुमुदती नार्हसि नानुमनुम् RAGH. 16, 85. भर्तारं नानुमन्यते विनिपातगतं स्त्रियः Spr. 3643. *sich um Etwas nicht kümmern, sich aus Etwas Nichts machen*: न निन्दामनुमन्यते KÂM. NITIS. 3, 38. — Vgl. अनुमत (wo fernere Belege für 1. u. 2. zu finden sind), °मति, °मनन, °मत्सर. — caus. 1) *Jmd (acc.) um Erlaubnis bitten* MBH. 6, 1549. fig. 1595. 1597 (अनुमानये त्वाम् st. अनुमानयित्वा ed. Bomb.). 14, 2109. R. 1, 4, 67 (wo अनुमान्य st. अनुमान्य zu lesen ist; vgl. SCHLEGEL'S Uebers.). 2, 2, 8. 110, 23. 4, 61, 88. insbes. *Jmd um Erlaubnis bitten fortzugehen, sich verabschieden bei* (acc.) MBH. 3, 278. HARIV. 6364. 6368. R. Gorr. 2, 26, 1. 6, 97, 23. 106, 20. Bhaç. P. 3, 16, 28. MÂRK. P. 16, 90. Vgl. das caus. von 1. ज्ञा mit अनु. — 2) *um Etwas (acc.) bitten* Jâgñ. 1, 240. — 3) *ehren, ehrenvoll aufnehmen*: संपूज्य गुरुं वासुदेवो ऽनुमान्य च HARIV. 9040. PRAB. 97, 10. — 4) *Etwas berücksichtigen, in Anschlag bringen*: तदाशयमननुमान्य DAÇAK. in BENF. Chr. 188, 1. — desid. *erschliessen, folgern*: मनसैव पुरे देवः पूर्ववृत्तं विपश्यति । अनुमीमांसते ऽपूर्वं मनसा भगवानज्ञः ॥ Bhaç. P. 6, 1, 4N. अनु अनन्तरमपूर्वं वृत्तं मीमांसते यद्यस्यानुवृत्तं तद्विचारयति Schol.

— समनु *beistimmen, erlauben* (von Mehreren gesagt): जनित्रैरेवेन तत्समनुमतमालभते *wenn er die Zustimmung aller Verwandten hat* AIT. Br. 2, 6. *anerkennen*: जलान्नापुधयन्नाजं धीरयोधिर्दधितम् । गुप्तिप्रधानमाचार्यो दुर्गं समनुमेनिरे ॥ *haben als wahre Festung anerkannt* KÂM. NITIS. 4, 60.

— अप caus. *Jmd missachten, Geringschätzung gegen Jmd an den Tag legen*: भक्तं शक्तं कुलीनं च न भृत्यमपमानयेत् Spr. 2003. KULL. zu M. 8, 282. °मानित ÇÂÑKH. GRH. 2, 16. R. 4, 8, 30. MÂRK. P. 123, 27. PÂÑAY. 20, 15 (28, 25 ed. orn.). — Vgl. अपमान fig.

— अभि 1) *Absicht haben auf, begehren, Verlangen haben nach* (acc.): मर्यां न योषामभि मन्यमानः RV. 4, 20, 5. कस्तो विद्वा अभि मन्याते अन्धाम् 10, 27, 11. 86, 9. न त्वेव ज्ञापसी वृत्तिमभिमन्यते कर्हिचित् M. 10, 95. मर्द्धं तदेव भवतु शश्वदभिमन्यसे MBH. 1, 6353. न पश्चात्ते ऽभिमन्यते मुधामपि R. 2, 61, 13. °मनुम् 1. 88, 20 (96, 23 Gorr.). अधिकं यो ऽभिमन्यते Bhaç. P. 7, 14, 8. कश्चिन्न परदारान्वा राजपुत्रो ऽभिमन्यते R. 2, 72, 43. MBH. 4, 412. *gern haben, mögen*: धार्मिकं पालनपरं सम्यक्परपुरजगम् । राजानमभिमन्यते प्रजापतिमिव प्रजाः ॥ Spr. 1329. भर्तारं नाभिमन्यते विनिपातगतं स्त्रियः 3643, v. 1. अभिमत *gewünscht, gern gesehen, lieb*,